



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-21022020-216294
CG-DL-E-21022020-216294

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 50]
No. 50]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 19, 2020/माघ 30, 1941
NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 19, 2020/MAGHA 30, 1941

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
सार्वजनिक सूचना
नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2020
सं. 64 / 2015—2020

विषय: प्रक्रिया पुस्तक, 2015—2020 के पैरा 2.54(घ) (v) iv में संशोधन।

फा. सं. 01/89/180/53/एएम—01/पीसी—2 [ख] / खण्ड VIII/ई—2382.—विदेश व्यापार नीति 2015—2020 के पैरा 2.04 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा ऐसे समुद्री पत्तनों जहां सुरक्षित देशों/क्षेत्रों से आने वाले धात्विक स्कैप के आयात के मामले में पूर्व—पोतलदान निरीक्षण प्रमाण पत्र (पीएसआईसी) में छूट दी गई है, की सूची में कटुपल्ली पत्तन को शामिल करते हुए पैरा सं. 2.54 (घ) (v) (iv) में संशोधन करते हैं। संशोधित पैरा को निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

संशोधित पैरा 2.54 (घ) (v) iv: उद्गम देश से धात्विक अपशिष्ट और स्कैप की आयात खेपें पूर्व पोत लदान निरीक्षण प्रमाण पत्र (पीएसआईसी) के अधीन होंगी। तथापि, सुरक्षित देशों/क्षेत्र अर्थात् यूएसए, यूके, कनाडा, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ से आयातित धात्विक अपशिष्ट और स्कैप (खंडित और अखंडित दानों) हेतु पीएसआईसी की आवश्यकता नहीं होगी यदि खेप को आठ (8) पत्तनों नामतः चेन्नई, तुतीकोरिन, कांडला, जेएनपीटी, मुम्बई, कृष्णापट्टनम मुंब्रा और कटूपल्ली से निकासी दी गई है। इन छह देशों/क्षेत्रों से खेप के साथ आपूर्तिकर्ता/स्कैप यार्ड प्राधिकारी से इस आशय का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाएगा कि इसमें कोई भी रेडियोधर्मी सामग्री/विस्फोटक शामिल नहीं है। तथापि यह इन पत्तनों पर पोर्टल मानीटर और कंटेनर स्कैनर के माध्यम से विकिरण और विस्फोटक जांच के अधीन होगा। इन देशों/क्षेत्रों के माध्यम से ट्रांस—शिपमेंट की इस सुविधा से अनुमति नहीं दी जाएगी। शेष आठ(8) अन्य

पत्तनों के माध्यम से आयात (खंडित और अखंडित स्क्रैप/अपशिष्ट दोनों हेतु) उद्गम देश को ध्यान में रखे बिना पीएसआईसी के अधीन होगा।

2. इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव: संशोधन के अनुसार धातित्व अवशिष्ट का आयात पूर्व वर्णित सुरक्षित देशों/क्षेत्रों से कटुपल्ली पत्तन से भी अब पीएसआईसी के बिना सुविधा प्राप्त की जा सकती है। इसके परिणाम स्वरूप प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.54 के तहत धातित्व स्क्रैप के आयात हेतु समुद्री पत्तनों की कुल संख्या 15 से बढ़कर 16 हो गई है।

अमित यादव, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 19th February, 2020

No. 64 /2015-2020

Subject: Amendment of Para 2.54 (d)(v)iv in Handbook of Procedures, 2015-2020.

F. No. 01/89/180/53/AM-01/PC-2[B]/Vol.VIII/E-2382.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.04 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, the Director General of Foreign Trade hereby amends the Para No. 2.54 (d)(v) iv by inserting Kattupalli to the list of sea ports where Pre-shipment Inspection Certificate (PSIC) is exempted in case of import of metallic scrap coming from safe countries/regions. The amended para will read as under:

Amended para 2.54(d)(v)iv: Import consignments of metallic waste and scrap shall be subject to pre-shipment inspection certificate (PSIC) from the country of origin. However, metallic waste and scrap (both shredded and unshredded) imported from safe countries/region i.e. the USA, the UK, Canada, New Zealand, Australia and the EU will not require PSIC if consignments are cleared through eight (8) ports namely, Chennai, Tuticorin, Kandla, JNPT, Mumbai, Krishnapatnam, Mundra and Kattupalli. Consignments from these six countries / region will be accompanied by certificate from the supplier/scrap yard authority to the effect that it does not contain any radioactive materials/ explosives. These will however be subject to radiation and explosive checks through portal monitors and container scanner at these ports. Trans-shipments through these countries /regions will not be allowed this facility. Import through remaining eight(8) other ports (for both shredded and unshredded scrap/waste), irrespective of country of origin, will be subject to PSIC.

2. Effect of this Notification: As per the amendment, import of metallic scarp from the aforementioned safe countries/regions without PSIC can now be facilitated through Kattapulli Port as well. As a result, the total number of sea ports for imports of metallic scrap under para 2.54 of HTP have increased from 15 to 16.

AMIT YADAV, Director General of Foreign Trade
& Ex-officio Secy.